राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुरूप डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या से संबद्ध महाविद्यालयों के स्नातक, चतुर्थ वर्ष, हिंदी / परास्नातक प्रथम वर्ष का सेमेस्टरवार हिंदी पाठ्यक्रम

(सत्र : 2024-25 से प्रभावी)

प्रश्नपत्र कोड		शीर्षक	क्रेडिट	प्रकृति	मूल्यांकन	
					CIE	ETE
प्रथम सेमेस्टर						
A010701T	CORE	भारतीय ज्ञान परंपरा में हिंदी अनुसंधान	4	T	25	75
A010702T	CORE	हिंदी की विचार संपदा	4	T	25	75
A010703T	CORE	अवधी : सृजन एवं विचार	4	T	25	75
A010704T	FIRST ELECTIVE (Select any one)	हिंदी में अस्मिता विमर्श	4	T	25	75
A010705T		साहित्य का अंतर्विषयक अध्ययन	4	T	25	75
A010706P	SECOND ELECTIVE (Select any one)	भारतीय साहित्य में राम	4	P	50	50
A010707P		अवध की ज्ञान-परंपरा	4	P	50	50
द्वितीय सेमेस्टर						
A010801T	CORE	हिंदी साहित्येतिहास दर्शन	4	T	25	75
A010802T	CORE	हिंदी पत्रकारिता प्रशिक्षण	4	T	25	75
A010803T	CORE	हिंदी का ज्ञान-साहित्य	4	T	25	75
A010804T	FIRST ELECTIVE (Select any one)	हिंदी का वैश्विक परिदृश्य	4	T	25	75
A010805T		साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन	4	T	25	75
A010806P	SECOND ELECTIVE (Select any one)	डिजिटल हिंदी : पत्रकारिता एवं साहित्य	4	P	50	50
A010807P		साहित्य की प्रायोगिकी (साहित्यिक पर्यटन/ साहित्यिक अनुवाद/ शोध-पत्र/ भाषा-साहित्य-संवेदना सर्वेक्षण/ कार्यशाला प्रतिभागिता/ वाचिक संप्रेषण/ सृजनात्मक लेखन/ साहित्य संकलन-संपादन/ रंगमंच प्रशिक्षण/ रिपोर्टिंग/ आकाशवाणी-दूरदर्शन प्रस्तुति/ विभागीय प्रशिक्षण)	4	P	50	50

(प्रो० शैलेन्द्र नाथ मिश्र)
संयोजक
हिंदी अध्ययन बोर्ड

पाठ्यक्रम	बी. ए. चतुर्थ वर्ष / एम. ए. प्रथम वर्ष	सप्तम् सेमेस्टर

विषय : हिंदी

कोर्स कोड	शीर्षक :
A010701T	**भारतीय ज्ञान-परंपरा में हिंदी अनुसंधान**

परिलब्धियाँ :

विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के वस्तुगत स्रोतों, विभिन्न विधाओं, विभिन्न कालखंडों के माध्यम से भारतीय ज्ञान परम्परा का रूपक बोध प्राप्त हो सकेगा और उसके साहचर्य में भारतीय ज्ञान परम्परा के अभिन्न अंग के रूप में विकसित हिंदी अनुसन्धान के विविध पक्षों, प्रक्रियाओं एवं प्रविधिओं से अवगत होकर उसके द्वारा अनुसंधान के क्षेत्र में नूतन उद्भावनाएँ की जा सकेंगी, जिससे रोजगार के गुणात्मक अवसरों की तलाश करते हुए देश को विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित किया जा सकेगा।

क्रेडिट	अधिकतम अंक	उत्तीर्ण हेतु न्यूनतम अंक
4	25+75	10+30

इकाई	अंतर्वस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटों में)
I	**हिंदी साहित्य में ज्ञान-परम्परा** • भारतीय ज्ञान परम्परा और हिंदी साहित्य (वैदिक, औपनिषदिक, पौराणिक, जैन एवं बौद्ध ज्ञान की हिंदी साहित्य में अवस्थिति) • साहित्य और ज्ञान का अंतस्संबंध • हिंदी साहित्य के विभिन्न कालों में ज्ञान के मूल स्रोत • हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं में ज्ञान का विकास-क्रम • हिंदी साहित्य के आधुनिक काल में ज्ञान-साहित्य (शास्त्र लेखन) का विकास	15
II	**अनुसंधान के अवधारणात्मक आयाम** • अनुसंधान : अवधारणा, अभिधान, एवं परिभाषा • अनुसंधान एवं आलोचना : साम्य एवं वैषम्य • अनुसंधान के प्रयोजन • अनुसंधाता की योग्यता • हिंदी अनुसंधान की विकास-यात्रा	15
III	**अनुसंधान प्रविधि** • पूर्वकृत अनुसंधान का अभिज्ञान • साक्षात्कार और उसकी प्रक्रिया	15

	• संबंधित सर्वेक्षण एवं क्षेत्र - भ्रमण • पुस्तकालयों, ई-पुस्तकालयों, ई-जर्नल, ई-पत्रिकाओं तक पहुँच • अनुसंधान में नैतिकता	
IV	**अनुसंधान की प्रक्रिया एवं प्रतिफलन** • समस्या का अभिज्ञान एवं विषय का निर्धारण • रूपरेखा निर्माण एवं अध्यायों का वर्गीकरण • सामग्री-संचयन और विश्लेषण • उद्धरण, संदर्भ, ग्रंथ सूची एवं नामानुक्रमणिका की प्रक्रिया • हिंदी अनुसंधान का भारतीय ज्ञान परंपरा में योगदान	15

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय परंपरा की खोज, भगवान सिंह, सस्ता साहित्य मंडल प्रकाशन, दिल्ली
2. संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. भारतीय दर्शन एवं आचार्य परंपरा, डॉ. उर्मिला सिंह, डॉ. सीताशरण सिंह, बिहार हिंदी ग्रन्थ अकादमी
4. दूसरी परंपरा की खोज, डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
5. हमारी परंपरा, वियोगी हरि, सस्ता साहित्य मंडल प्रकाशन, दिल्ली
6. अतिक्रमण की अंतर्यात्रा : ज्ञान की समीक्षा का एक प्रयास, प्रसन्न कुमार चौधरी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. अनुसंधान का विवेचन, उदयभानु सिंह, हिंदी साहित्य संसार, पटना
8. हिंदी अनुसंधान, विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया, एस. एन. गणेशन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. शोध प्रविधि, डॉ. विनय मोहन शर्मा, मयूर पेपरबैक्स, नोएडा
11. शोध प्रविधि, डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
12. नवीन शोधविज्ञान, डॉ. तिलक सिंह, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली
13. शोध प्रस्तुति, उमा पाण्डेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
14. शोध प्रौद्योगिकी, प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित, स्वाध्याय प्रकाशन, लखनऊ
15. शोध और सिद्धांत, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
16. शोध संदर्भ (भाग 1- 6 तक), सं. गिरिराज शरण अग्रवाल, हिंदी साहित्य निकेतन, बिजनौर
17. प्रतिमान, शोध, खोज, गवेषणा, आलोचना इत्यादि पत्रिकाएँ

पाठ्यक्रम	बी. ए. चतुर्थ वर्ष / एम. ए. प्रथम वर्ष	सप्तम् सेमेस्टर

विषय : हिंदी

कोर्स कोड	शीर्षक :
A010702T	**हिंदी की विचार-संपदा**

परिलब्धियाँ

इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी हिंदी साहित्य के पृथक्-पृथक् कालखंडों में गृहीत विभिन्न विचारों और विचारधाराओं से परिचित हो सकेंगे और साहित्य के बाह्य कारकों और प्रेरक व्यक्तित्वों का संज्ञान हो सकेगा. ज्ञान (शास्त्र) और साहित्य के अंतरावलंबन की समझ विकसित होगी और साहित्य के मूल स्रोतों का अभिज्ञान हो सकेगा.

क्रेडिट	अधिकतम अंक	उत्तीर्ण हेतु न्यूनतम अंक
4	25+75	10+30

कुल व्याख्यानों की संख्या - 60 घंटे

इकाई	अंतर्वस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटों में)
I	**हिंदी साहित्य : वैचारिक प्रस्थान बिंदु** • आदिकालीन वैचारिकी के मूल स्रोत • मध्यकालीन बोध का स्वरूप • विभिन्न धर्म साधनाएँ और वैष्णव धर्मान्दोलन • मध्ययुगीन बोध और आधुनिक बोध	15
II	**पुनर्जागरण की पारिस्थितिकी** • आधुनिकता बोध और औद्योगिक संस्कृति • स्वाधीनता आन्दोलन और भारतीय नवजागरण • हिंदी नवजागरण : भारतेंदु हरिश्चंद्र और महावीर प्रसाद द्विवेदी • फोर्ट विलियम कॉलेज, खड़ी बोली आंदोलन,	15
III	**राष्ट्रीय व्यक्तित्वों की वैचारिकी और हिंदी साहित्य पर प्रभाव** • श्री अरविंद • स्वामी विवेकानंद • महात्मा गाँधी • डॉ. भीमराव आंबेडकर	15

	• डॉ. राममनोहर लोहिया	
IV	विचारधाराओं का साहित्यिक परिप्रेक्ष्य • मार्क्सवाद, • मनोविश्लेषणवाद • अस्तित्ववाद • उत्तर आधुनिकतावाद	15

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का आदिकाल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ, डॉ. राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, डॉ. राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. नयी कविता का वैचारिक आधार, सुधीश पचौरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि, डॉ. लाल चंद्र गुप्त 'मंगल', हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला
6. हिंदी आलोचना के बीज शब्द, बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. हिंदी नवजागरण और वैचारिक पृष्ठभूमि, डॉ. विवेक शंकर
9. मध्यकालीन बोध का स्वरूप, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. मध्यकालीन धर्म साधना, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली
11. साहित्य में बाह्य प्रभाव, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
12. उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
13. साहित्य क्यों?, विजय देव नारायण साही, प्रदीपन एकांश, इलाहाबाद
14. आधुनिकता के बारे में तीन अध्याय, धनंजय वर्मा
15. आधुनिकता के प्रतिरूप, धनंजय वर्मा
16. आधुनिकता के पहलू, विपिन अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
17. मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य, डॉ. राम विलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
18. गाँधी, आम्बेडकर, लोहिया और भारतीय इतिहास की समस्याएँ, डॉ. राम विलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
19. कलाशास्त्र और मध्यकालीन भाषिकी क्रांतियाँ, रमेश कुंतल मेघ, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली

पाठ्यक्रम	बी. ए. चतुर्थ वर्ष / एम. ए. प्रथम वर्ष	सप्तम् सेमेस्टर

विषय : हिंदी

कोर्स कोड : A010703T	शीर्षक : अवधी : सृजन एवं विचार

परिलब्धियाँ :

इस प्रश्नपत्र मे विद्यार्थी अवधी भाषा एव साहित्य के विकास के साथ उसके राष्ट्रीय एव वैश्विक योगदान को पहचान सकेंगे. भारतीय ज्ञान परंपरा में अवध के साहित्यिक और सांस्कृतिक योगदान को समझा जा सकेगा. विगत एक सहस्राब्दी मे निर्मित अवध की साहित्यिक एवं पांडित्य परंपरा और उसी अनुक्रम में महत्त्वपूर्ण रचनाओं और रचनाकारों के प्रदेय से जीवन-संदृष्टि का साक्षात्कार संभव होगा.

क्रेडिट - 4	अधिकतम अंक - 25+75	उत्तीर्ण के लिए न्यूनतम अंक - 10+30

कुल व्याख्यानों की संख्या - 60 घंटे

इकाई	अंतर्वस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटों में)
I	**देश-देशांतर में अवधी : चयनित लेख** • अवधी का विकास - डॉ. बाबूराम सक्सेना • विदेशों में अवधी और अवध संस्कृति - डॉ. सूर्य प्रसाद दीक्षित • भारत के निर्माण में अवध और अवधी – डॉ. राज नारायण तिवारी • अवधी काव्य की परंपरा – डॉ. श्याम सुंदर मिश्र 'मधुप' • अवधी का गद्य साहित्य – डॉ. राधिका प्रसाद त्रिपाठी • अवधी और उसके रचनात्मक आंदोलन – जगदीश पीयूष	15
II	**अवधी महाकाव्य** मलिक मुहम्मद जायसी - नागमती वियोग खंड (पद्मावत) गोस्वामी तुलसीदास – सुंदरकांड (श्रीरामचरितमानस)	15
III	**अवधी काव्य** ▪ **गोरखनाथ :** दो पद 1. गुर कीजै गहिला निगुरा न रहिला. 2. कहणि सुहेली रहणि दुहेली .	

6

	▪ **बलभद्र प्रसाद दीक्षित 'पढ़ीस' :** दो कविताएँ - मनई, सूखि-डार ▪ **वंशीधर शुक्ल :** दो कविताएँ – महगाई, एक किसान की रोटी ▪ **चंद्रभूषण त्रिवेदी 'रमई काका' :** दो कविताएँ – धरती हमारि–धरती हमारि, कोयलिया सुनिके तोरि पुकार री ▪ **त्रिलोचन शास्त्री** : 'अमोला' से प्रारंभिक 15 बरवै ▪ **सुशील सिद्धार्थ :** दो कविताएँ – बागन बागन कहै चिरैया, साधो मन के मीत हेराने	15
IV	**अवधी कहानी** लड्डू गोपाल – विद्या बिंदु सिंह बाबा जी – राम बहादुर मिश्र श्रवन कै जुबानी – विनय दास पियास – गंगा प्रसाद शर्मा 'गुणशेखर' दाखिल खारिज – भारतेंदु मिश्र मातरी भासा - अमरेन्द्र नाथ त्रिपाठी	15

टिप्पणी : अधिन्यास कार्य (Assignment work) के अंतर्गत अवधी में लिखने के लिए प्रेरित किया जाए

संदर्भ ग्रंथ :

1. इकाई प्रथम – संदर्भ : अवधी ग्रंथावली, जगदीश पीयूष, खंड - 1, 3, 5, 10 ; वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. इकाई चतुर्थ – संदर्भ : कथा कहानी (समकालीन अवधी कहानियाँ) – भारतेंदु मिश्र, परिकल्पना प्र. दिल्ली
3. इकाई तृतीय – संदर्भ : kavitakosh.org
4. अवधी का विकास - डॉ. बाबूराम सक्सेना, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
5. अवधी साहित्य का इतिहास - डॉ. श्याम सुन्दर मिश्र मधुप, भारत बुक सेंटर
6. वाचिक कविता : अवधी - सं. विद्या निवास मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
7. जायसी – विजय देव नारायण साही, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
8. जायसी – परमानंद श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी
9. आलोचना पत्रिका अंक 80 – जनवरी-मार्च 1987 (तज्जिग्तुल पद्मावत (लेख) – वागीश शुक्ल)
10. आलोचना पत्रिका अंक 83– अक्टूबर-दिसंबर 1987 (तज्जिग्तुल पद्मावत (नत्थी में) – वागीश शुक्ल
11. लोकवादी तुलसीदास – विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्र. दिल्ली
12. त्रिवेणी – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, राज कमल प्र. दिल्ली
13. अवधी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. त्रिभुवन नाथ शुक्ल, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली
14. अवधी भाषा और साहित्य का परिचयात्मक विश्लेषण - डॉ. त्रिलोकी नारायण दीक्षित, सं. सोमचंद्र सुमन, राजकमल प्र. दिल्ली
15. अवधी लोक साहित्य : कला और संस्कृति - डॉ. त्रिभुवन नाथ शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
16. अवधी साहित्य : सर्वेक्षण और समीक्षा - जगदीश पीयूष , शुब्द प्रकाशन, दिल्ली
17. अवधी भाषा, साहित्य और संस्कृति - डॉ. राधिका प्रसाद त्रिपाठी, आनंद प्रकाशन, फैजाबाद
18. अवध की साहित्य संपदा - डॉ. राधिका प्रसाद त्रिपाठी, आनंद प्रकाशन, फैजाबाद
19. अवधी भाषा एवं साहित्य का इतिहास - डॉ. श्री नारायण तिवारी, संग्रह टाइम्स पब्लिकेशंस, दिल्ली

20. अवधी कथा साहित्य का इतिहास - सं. अरविंद कुमार, रचाक्षर प्रकाशन, नई दिल्ली
21. अवध संस्कृति विश्वकोश - प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
22. भारतीय भाषाओं में रामकथा - अवधी भाषा : सं. डॉ. सूर्य प्रसाद दीक्षित, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
23. कथा कहानी (समकालीन अवधी कहानियाँ) – भारतेंदु मिश्र, परिकल्पना प्र. दिल्ली

पाठ्यक्रम	बी. ए. चतुर्थ वर्ष / एम. ए. प्रथम वर्ष	सप्तम् सेमेस्टर

विषय : हिंदी

कोर्स कोड	शीर्षक :
A010704T	हिंदी में अस्मिता विमर्श

परिलब्धियाँ :

अस्मितामूलक विमर्शों के विविध आयामों की सम्यक् समझ बनेगी. मानवीय संवेदनाओं के ज्वलंत मुद्दों के अकादमिक बहस से जुड़ने और उसके साहित्य-रूपों की अंतर्यात्रा की जा सकेगी. स्त्री, दलित, आदिवासी, किन्नर और अल्पसंख्यक समाजों का संवेदनात्मक परिचय प्राप्त होगा और इन विमर्शों पर आधारित विभिन्न साहित्यिक विधाओं में उनके प्रतिफलन से क्रियात्मक संदृष्टि प्राप्त की जा सकेगी.

क्रेडिट	अधिकतम अंक	उत्तीर्ण हेतु न्यूनतम अंक
4	25+75	10+30

कुल व्याख्यानों की संख्या - 60 घंटे

इकाई	अंतर्वस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटों में)
I	**अस्मितामूलक विमर्श और साहित्य की समझ :** • अस्मितामूलक विमर्शों की सैद्धांतिकी • अस्मितामूलक विमर्श : स्वरूप एवं विकास • अस्मितामूलक विमर्श : संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ • हिंदी में अस्मितामूलक विमर्श के आयाम (स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श, किन्नर विमर्श, अल्पसंख्यक विमर्श)	15
II	**अस्मिता विमर्श के विभिन्न आयाम :** • स्त्री विमर्श : सशक्तीकरण के आयाम • दलित विमर्श : अवधारणा और मुक्ति आन्दोलन • आदिवासी विमर्श : लोक जीवन और विकास की द्वंद्वात्मकता • तृतीय लिंगी (किन्नर) विमर्श : समस्या की संवैधानिक फलश्रुति	15

III	**हिंदी : अस्मिता का गद्यलोक** • 'नारीत्व का अभिशाप' निबंध (शृंखला की कड़ियाँ) - महादेवी वर्मा • दोहरा अभिशाप (आत्मकथा) - कौशल्या बैसंत्री • पचतीस चौका डेढ़ सौ (कहानी संग्रह) - ओमप्रकाश वाल्मीकि • यमदीप (उपन्यास) - नीरजा माधव	15
IV	**परिधि का हिंदी काव्य (आदिवासी)** • नगाड़े की तरह बजते शब्द (कविता संग्रह)- निर्मला पुतुल (कविताएँ - आदिवासी स्त्रियाँ, बाबा मुझे उतनी दूर मत ब्याहना, आदिवासी लड़कियों के बारे में, संथाल परगना, कुछ मत कहो सजोनी किस्कू !, पहाड़ी स्त्री, चुड़का सोरेन से, खून को पानी कैसे लिख दूँ, भाई मंगल बेसरा, पिलचू बूढ़ी से, आओ मिलकर बचाएँ, कहाँ गुम हो गए, मैं चाहती हूँ.)	15

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय नारी संत परम्परा, बलदेव वंशी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. स्त्री उपेक्षिता, प्रभा खेतान, सीमोन द ओउआर, हिंदी पॉकेट बुक्स।
3. अपने घर की तलाश में, (अशोक सिंह), निर्मला पुतुल, रमणिका फाउण्डेशन, दिल्ली, प्रथम- 2004
4. आज का स्त्री-स्वर, सं. रमेश उपाध्याय, संज्ञा उपाध्याय, शब्दसंधान, दिल्ली।
5. स्त्रीत्व का मानचित्र, अनामिका, सारांश प्रकाशन, दिल्ली।
6. शृंखला की कड़ियाँ, महादेवी वर्मा, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
8. दलित वीरांगनाएँ एवं मुक्ति की चाह, बद्री नारायण, (युगांक धीर, अनु.), राजकमल प्रकाशन।
9. नारीवाद सिद्धांत और व्यवहार, शुभ्रा परमार, ओरिएंट ब्लैक स्वान, हैदराबाद।
10. आदिवासी साहित्य : परंपरा और प्रयोजन, वंदना टेटे, नोशन प्रेस, चेन्नई।
11. आदिवासी : समाज, साहित्य और राजनीति, केदार प्रसाद मीणा, अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली
12. आदिवासी साहित्य : परंपरा और प्रयोजन, वंदना टेटे, नोशन प्रेस, चेन्नई
13. भारतीय दलित साहित्य का विरोधी स्वर - विमल थोरात, रावत पब्लिकेशन, जयपुर
14. दलित साहित्य का समाजशास्त्र - हरि नारायण ठाकुर, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
15. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र-ओम प्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्र. दिल्ली
16. दलित साहित्य एक अंतर्यात्रा - बजरंग बिहारी तिवारी, नवारुण प्रकाशन, दिल्ली
17. स्त्री संघर्ष का इतिहास - राधा कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
18. हिंदी उपन्यासों के आइने में थर्ड जेंडर - डॉ. विजेंद्र प्रताप सिंह, अमन प्रकाशन, कानपुर
19. थर्ड जेंडर पर आधारित हिंदी का प्रथम उपन्यास - डॉ. एन. फिरोज़ खान, विकास प्रकाशन
20. थर्ड जेंडर : अस्मिता और संघर्ष - सं. विजेंद्र प्रताप सिंह, रवि गौड, अमन प्रकाशन, कानपुर

पाठ्यक्रम	बी. ए. चतुर्थ वर्ष / एम. ए. प्रथम वर्ष	सप्तम् सेमेस्टर

विषय : हिंदी

कोर्स कोड :	शीर्षक :
A010705T	साहित्य का अंतर्विषयक अध्ययन

परिलब्धियाँ :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों में ज्ञान को समग्रता में देखने की समझ विकसित होगी और एक ज्ञान के दायरे से दूसरे में जाने का अवसर प्राप्त होगा जिससे ज्ञान के सार्वभौमिक एकत्व की अनुभूति होगी. इसके साथ ही रचनात्मकता को साहित्येतर कसौटियां से जाँचने-परखने की प्रविधि का विकास होगा.

क्रेडिट	अधिकतम अंक	उत्तीर्ण हेतु न्यूनतम अंक
4	25+75	10+30

कुल व्याख्यानों की संख्या : 60 घंटे

इकाई	अंतर्वस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटों में)
I	**साहित्य का अंतर्विषयक परिप्रेक्ष्य** • अंतर्विषयक अध्ययन की अवधारणा • अंतर्विषयक अध्ययन की आवश्यकता • हिंदी अंतर्विषयक अध्ययन के क्षेत्र • हिंदी अंतर्विषयक अध्ययन का विकास	15
II	**साहित्य का सौंदर्यशास्त्र** • सौन्दर्यशास्त्र : परिभाषा एवं स्वरूप • सौंदर्य की भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणा • साहित्य का सौन्दर्यशास्त्रीय विवेचन • हिंदी मे सौन्दर्यशास्त्रीय आलोचनाएँ	15
III	**साहित्य का समाजशास्त्र** • साहित्य का समाजशास्त्र : साधन और साध्य • साहित्य में समाज और समाज में साहित्य	15

	• हिंदी साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन • हिंदी लेखक का समाजशास्त्र • साहित्यिक उत्पादन, प्रकाशन एवं विपणन का अंतःशास्त्र	
IV	हिंदी साहित्य और अन्य ज्ञानानुशासन • साहित्य और दर्शन • साहित्य और इतिहास • साहित्य और राजनीति • साहित्य और मनोविज्ञान • साहित्य और ललित कलाएँ • साहित्य और विज्ञान	15
	संदर्भ ग्रंथ : 1. भारतीय सौंदर्यशास्त्र की भूमिका, फतह सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 2. सौंदर्यशास्त्र, डॉ. हरद्वारी लाल शर्मा, मधु प्रकाशन, इलाहाबाद 3. अथातो सौंदर्य जिज्ञासा, रमेश कुंतल मेघ, मैकमिलन, दिल्ली 4. सौंदर्य का तात्पर्य, डॉ. रामकीर्ति शुक्ल, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ 5. पाश्चात्य सौंदर्यशास्त्र का इतिहास, सूनृत कुमार वाजपेयी, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली 6. नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 7. छायावाद का व्यावहारिक सौंदर्यशास्त्र, प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित, लोकभारती प्र., इलाहाबाद 8. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 9. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, शरण कुमार लिम्बाले, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 10. लालित्य तत्त्व, हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 11. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका, मैनेजर पाण्डेय, हरियाणा साहित्य अकादमी 12. साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन, निर्मला जैन, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली 13. साहित्य का समाजशास्त्र, भूपेन्द्र सिंह, कला प्रकाशन 14. साहित्य और समाज, विजयदान देथा, राजस्थानी शोध संस्थान 15. उपन्यास का समाजशास्त्र, सं. गरिमा श्रीवास्तव, संजय प्रकाशन, दिल्ली 16. आलोचना का समाजशास्त्र, मुद्राराक्षस, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 17. लेखक और उसका समाज, राजकिशोर, 18. साहित्य और समाज की बात, देवशंकर नवीन, एन.बी.टी., दिल्ली 19. समाज, साहित्य और दर्शन, आचार्य दयानन्द भार्गव, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर 20. साहित्य का समाजशास्त्र, बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 21. पुस्तक प्रकाशन : संदर्भ और दृष्टि, कृष्णचन्द्र बेरी, प्रचारक ग्रंथावली, वाराणसी 22. कला और साहित्य, माखनलाल चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली	

23. साहित्य और कला, मार्क्स-एंगेल्स, राहुल फाउंडेशन
24. साहित्य और इतिहास दृष्टि, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
25. समय से बाहर, अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
26. साहित्य विज्ञान, गणपति चंद्र गुप्त, लोकभारती प्र. प्रयागराज
27. आधुनिक हिंदी कथा साहित्य और मनोविज्ञान, देवराज उपाध्याय, साहित्य भवन, प्रयागराज
28. साहित्य और मनोविज्ञान, डॉ. मफतलाल पटेल, शांति प्रकाशन
29. आधुनिक मनोविज्ञान और हिंदी साहित्य, गंगाधर झा, राधाकृष्ण प्र. दिल्ली
30. कला विनोद, अशोक वाजपेयी, नई किताब प्र. दिल्ली
31. साहित्य विनोद, अशोक वाजपेयी, नई किताब प्र. दिल्ली
32. साहित्य दर्शन, स्वामी निश्चलानंद सरस्वती, स्वरित प्रकाशन, पुरी
33. साहित्य संगीत और दर्शन, ए.ए. ज्दानोव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
34. साहित्य में राजनीति और समाज, डॉ. व्रज कुमार पाण्डेय, पुष्पांजलि प्रकाशन

पाठ्यक्रम	बी. ए. चतुर्थ वर्ष/ एम. ए. प्रथम वर्ष	सप्तम् सेमेस्टर

विषय : हिंदी

कोर्स कोड :	शीर्षक :
A010706P (वैकल्पिक)	भारतीय साहित्य में राम

परिलब्धियाँ

भारतीय भाषा एवं साहित्य की समस्त विधाओं में राम को आधार बनाकर लिखे गए विपुल लेखन का संज्ञान लिया जा सकेगा. भारतीय संस्कृति में रचे- बसे राम को साहित्य के माध्यम से जानकर उनके आदर्शों का जीवन में अनुपालन संभव होगा. इसके माध्यम से भारत की भावात्मक एकता और सामाजिक समरसता का लक्ष्य प्राप्त होगा. राम की अनेकायामी वैश्विक उपस्थिति के गवेषणात्मक विश्लेषण से विश्वबंधुत्व और वसुधैव कुटुंबकम् को सच्चे अर्थों में चरितार्थ किया जा सकेगा.

क्रेडिट	अधिकतम अंक	उत्तीर्ण हेतु न्यूनतम अंक
4	50+50	40

निर्देश : विद्यार्थियों को भारतीय भाषा एवं साहित्य की समस्त विधाओं में राम को आधार बनाकर लिखे गए विपुल लेखन का संज्ञान लेते हुए विभाग द्वारा किसी अनुसंधेय विषय को आवंटित किया जाएगा, जिस पर छात्र-छात्राओं को विभिन्न आलोचना, अध्ययन एवं अनुसंधान पद्धतियों के आलोक में न्यूनतम 8000 शब्दों में परियोजना कार्य प्रस्तुत करना होगा.

पाठ्यक्रम	बी. ए. चतुर्थ सेमेस्टर / एम. ए. प्रथम सेमेस्टर	सप्तम् सेमेस्टर

विषय : हिंदी

कोर्स कोड :	शीर्षक :
A010707P (वैकल्पिक)	अवध की ज्ञान परंपरा

परिलब्धियाँ

भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत विद्यार्थियों को अवध की समृद्ध ज्ञान परंपरा और उसके वैशिष्ट्य के विभिन्न आयामों में से चयनित विषय का विस्तृत और सूक्ष्म परिज्ञान हो सकेगा. अवध संस्कृति में सन्निहित आदर्श मानव जीवन के संविधान को प्राप्त किया जा सकेगा. जिससे संपूर्ण विश्व को सुखमय एवं आनंदपूर्ण जीवन जीने के महामंत्र की प्राप्ति होगी.

क्रेडिट	अधिकतम अंक	उत्तीर्ण हेतु न्यूनतम अंक
4	50+50	40

निर्देश : भारतीय ज्ञान परंपरा में अवध क्षेत्र के विविध ज्ञानात्मक प्रदेयों (भाषा, साहित्य, संस्कृति, पांडित्य परंपरा, लोक परंपरा, शास्त्रीय/अकादमिक लेखन, पत्रकारिता,संगीत एव कलाओं इत्यादि) से विभाग द्वारा किसी अनुसंधेय विषय को आवंटित किया जाएगा, जिस पर छात्र-छात्राओं को उपलब्ध विभिन्न आलोचना, अध्ययन एवं अनुसंधान पद्धतियों के संयोजन से न्यूनतम 8000 शब्दों में परियोजना कार्य प्रस्तुत करना होगा.

पाठ्यक्रम	कक्षा : बी. ए. चतुर्थ वर्ष एम. ए. प्रथम वर्ष	सेमेस्टर : आठवाँ

विषय : हिंदी

कोर्स कोड	शीर्षक :
A010801T	हिंदी साहित्येतिहास दर्शन

परिलब्धियाँ :

किसी भी इतिहास का लेखन इतिहास-दर्शन के ज्ञान के बिना संभव नहीं है. विद्यार्थियों को इस अध्ययन द्वारा प्रामाणिक साहित्येतिहास लेखन की प्रक्रिया और प्रविधि का ज्ञान सुलभ होगा. विगत एक हजार वर्षों के हिंदी साहित्य के इतिहास का आलोडन वस्तुतः हिंदी समाज की तत्कालीन पारिस्थितिकी का बोध कराएगा और उस समाज के निर्णयों की प्रासंगिकता को प्रभावित करेगा. हिंदी साहित्य के इतिहास का पुनर्लेखन उसके समस्त आयामों, संभावनाओं और चुनौतियों को जानकर ही किया जा सकता है, यह प्रश्नपत्र उक्त की संपूर्ति में सहायक होगा.

क्रेडिट	अधिकतम अंक	उत्तीर्ण हेतु न्यूनतम अंक
4	25+75	10+30

कुल व्याख्यानों की संख्या - 60 घंटे

इकाई	अंतर्वस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटों में)
I	**हिंदी साहित्य का इतिहास दर्शन** • इतिहास दर्शन की अवधारणा • साहित्य, इतिहास और दर्शन का अन्तस्संबंध • साहित्येतिहास का समाज, धर्म, दर्शन एवं संस्कृति से संबंध • हिंदी साहित्येतिहास दर्शन के प्रमुख तत्त्व	15
II	**हिंदी साहित्येतिहास लेखन का विकास- क्रम** • हिंदी साहित्येतिहास दर्शन की विकास यात्रा • हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन का इतिहास • हिंदी साहित्येतिहास लेखन के स्रोत • हिंदी साहित्येतिहास लेखन के प्रकार	15
III	**कालक्रमिक परिस्थितियां एवं रचनात्मकता के अंतःसूत्र** • आदिकालीन साहित्य के कारक तत्त्व • भक्तिकाव्य की पारिस्थितिकी • रीतिकाव्य : स्थापत्य के आयाम • आधुनिक काल : नवजागरण की रचनात्मकता • समकालीन साहित्य : सृजन के विविध आयाम	15

IV	**हिंदी साहित्य का इतिहास : पुनर्लेखन की समस्याएँ** • पुनर्लेखन की आवश्यकता • पुनर्लेखन के आयाम • पुनर्लेखन की चुनौतियाँ • साहित्येतिहास लेखन का भविष्य	15

संदर्भ ग्रंथ :

1. इतिहास दर्शन- बुद्ध प्रकाश, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
2. इतिहास दर्शन - राम विलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. साहित्य का इतिहास दर्शन - नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
4. साहित्य और इतिहास दृष्टि- मैनेजर पाण्डेय, पीपुल्स लिट्रेसी, दिल्ली
5. हिंदी साहित्येतिहास दर्शन- डॉ. शिव कुमार मिश्र, पीपुल्स लिट्रेसी, दिल्ली
6. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
7. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्
8. हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्र. दिल्ली
9. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्र. दिल्ली
10. हिंदी साहित्य का अतीत : भाग 1 और 2- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्र. वाराणसी
11. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- डॉ. राम कुमार वर्मा, नेशनल प्रेस, प्रयाग
12. हिंदी साहित्य :बीसवीं शताब्दी- नन्द दुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
13. भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा- राम विलास शर्मा, राजकमल प्र. दिल्ली
14. आधुनिक साहित्य का इतिहास- बच्चन सिंह, लोकभारती प्र. प्रयागराज
15. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्र. दिल्ली
16. आधुनिक परिवेश और नवलेखन - शिव प्रसाद सिंह, लोकभारती प्र. प्रयागराज
17. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ- नामवर सिंह, लोकभारती प्र. प्रयागराज
18. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - डॉ. राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्र. प्रयागराज
19. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास- डॉ. सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
20. आचार्य शुक्ल का इतिहास पढ़ते हुए- डॉ. बच्चन सिंह,
21. साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप, डॉ. सुमन राजे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
22. हिंदी साहित्य का वृहद् इतिहास, 16 भाग - नागरी प्रचारिणी सभा
23. हिंदी साहित्य का मौखिक इतिहास- नीलाभ, म. गां. अं. हि. वि. वि. वर्धा
24. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास भाग 1 एवं 2,- डॉ. गणपति चंद्र गुप्त, भारतेंदु भवन, चंडीगढ़
25. हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन - प्रभात मिश्र, प्रलेक प्रकाशन, मुंबई
26. हिंदी साहित्येतिहास : पुनर्लेखन की समस्याएँ, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय
27. हिंदी साहित्येतिहास का वैकल्पिक परिप्रेक्ष्य - सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी, हंस प्रकाशन, दिल्ली

पाठ्यक्रम	कक्षा : बी. ए. चतुर्थ वर्ष/ एम. ए. प्रथम वर्ष	सेमेस्टर : अष्टम्

विषय : हिंदी

कोर्स कोड :	शीर्षक :
A010802T	हिंदी पत्रकारिता प्रशिक्षण

परिलब्धियाँ :

लोकतंत्र के चतुर्थ स्तंभ पत्रकारिता के प्रशिक्षण से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व में संवैधानिक चेतना और तज्जन्य सामाजिकता का समावेश हो सकेगा. इसके साथ ही रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध होंगे. पत्रकारिता तथा साहित्य के संयोजन से निर्मित साहित्यकार/ पत्रकार इतिहास के अनुरूप अधिक मूल्यपरक सिद्ध होंगे.

क्रेडिट	अधिकतम अंक	उत्तीर्ण हेतु न्यूनतम अंक
4	25+75	10+30

कुल व्याख्यानों की संख्या - 60 घंटे

इकाई	अन्तर्वस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटों में)
I	**पत्रकारिता : सिद्धान्त एवं स्वरूप** • पत्रकारिता : परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र एवं महत्त्व • पत्रकारिता : विश्व एवं भारत में उद्भव एवं विकास • हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास • पत्रकारिता और रचनाधर्मिता	15
II	**समाचार लेखन के आयाम** • समाचार : प्रकार, संरचना, संकलन एवं लेखन कौशल • समाचार : शीर्षकीकरण, लीड एवं आमुख • संवाददाता के कर्तव्य एवं दायित्व • संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति	15
III	**समाचार संपादन कला** • संपादक विभाग की संरचना, समाचार चयन, पृष्ठ-सज्जा, स्तंभ लेखन, पुस्तक समीक्षा, फीचर लेखन • प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला, प्रूफ शोधन, लेआउट तथा पृष्ठ सज्जा • इलेक्ट्रानिक मीडिया : रेडियो, टी.वी., वीडियो, केबल, मल्टीमीडिया और इन्टरनेट पत्रकारिता • संपादकीय, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फॉलो-अप) आदि की प्रविधि • पत्रकारिता प्रबंधन : प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था	15
IV	**प्रेस कानून एवं दृश्य-श्रव्य संचार माध्यम**	15

	• स्वतंत्र प्रेस की अवधारणा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लोकतांत्रिक परम्पराएँ, मौलिक अधिकार • प्रमुख प्रेस कानून, पीत पत्रकारिता, मानहानि, न्यायालय की अवमानना • जनसंचार के प्रमुख माध्यम तथा उनकी उपयोगिता • भारत में आकाशवाणी व दूरदर्शन : उद्भव, विकास, महत्त्व और प्रभाव • दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता	
	संदर्भ ग्रंथ : 1. हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम - डॉ. वेदप्रताप वैदिक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली। 2. समाचार पत्रों का इतिहास - अंबिका प्रसाद वाजपेयी, ज्ञानमण्डल, बनारस। 3. हिन्दी पत्रकारिता - डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली। 4. प्रेस विधि - डॉ. नन्दकिशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी। 5. भारत में प्रेस विधि - डॉ. सुरेन्द्रनाथ शर्मा, डॉ. मनोहर प्रभाकर, गतिमान प्रकाशन। 6. समाचार संकलन और लेखन - डॉ. नन्दकिशोर त्रिखा, हिन्दी समिति, लखनऊ। 7. संवाद और संवाददाता - राजेन्द्र, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़। 8. संवाददाता- सत्ता और महत्व- हेरम्ब मिश्र, किताब महल, इलाहाबाद। 9. संपादन कला - के.पी. नारायण, म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल। 10. फीचर लेखन - प्रेमनाथ चतुर्वेदी, प्रकाशन विभाग, दिल्ली। 11. समाचार संपादन - प्रेमनाथ चतुर्वेदी, ऐकेडमिक बुक्स, दिल्ली। 12. आकाशवाणी- रामबिहारी विश्वकर्मा, प्रकाशन विभाग, दिल्ली। 13. आधुनिक पत्रकारिता - अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी। 14. समाचार संपादन और पृष्ठ सज्जा - रमेश कुमार जैन, यूनीवर्सल, जयपुर। 15. प्रारूपण, टिप्पण एवं प्रूफ पठन - विजय कुलश्रेष्ठ, अंकुर प्रकाशन, दिल्ली। 16. संपादन के सिद्धान्त - रामचन्द्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली। 17. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता - प्रो. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली। 18. जन माध्यम और हिन्दी पत्रकारिता भाग 1 व 2 - प्रवीण दीक्षित, सहयोग साहित्य संस्थान, कानपुर। 19. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार-पत्र - रवीन्द्र शुक्ला, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 20. मीडिया का वर्तमान, सं.- अकबर रिजवी, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली। 21. मीडिया, शासन और बाजार - अरविन्द मोहन, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर। 22. भारतीय मीडिया व्यवसाय, वनिता कोहली-खांडेकर, सेज पब्लिकेशन, मुम्बई। 23. टीआरपी टीवी न्यूज और बाजार, डॉ. मुकेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 24. हिन्दी पत्रकारिता का बृहद् इतिहास, डॉ. अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 25. इंटरनेट साहित्यालोचना और जनतंत्र, जगदीश्वर चतुर्वेदी, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली।	

	कक्षा :	सेमेस्टर :

पाठ्यक्रम	बी. ए. चतुर्थ वर्ष एम. ए. प्रथम वर्ष	अहम्

विषय : हिंदी

कोर्स कोड :	शीर्षक :
A010803T	हिंदी का ज्ञान साहित्य

परिलब्धियाँ :

साहित्य के समानांतर हिंदी भाषा में विभिन्न ज्ञानानुशासनों का लेखन समादृत रहा है, लेकिन आज भी ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की विषय सामग्री का हिंदी में अभाव है. विश्वभाषा की ओर अग्रसर हिंदी के लिए आवश्यक है कि वह सार्वभौमिक ज्ञान को अपनी भाषा में उपलब्ध कराए, जिससे पठन-पाठन के क्षेत्र में वैश्विक आकांक्षाओं की प्रतिपूर्ति की जा सके. यह प्रश्नपत्र उक्त लक्ष्य की संप्राप्ति में सहायक होगा.

क्रेडिट :	अधिकतम अंक :	उत्तीर्ण हेतु न्यूनतम अंक
4	25+75	10+30

कुल व्याख्यानों की संख्या - 60 घंटे

इकाई	अंतर्वस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटों में)
I	**ज्ञान साहित्य : अर्थवत्ता एवं आयाम** • ज्ञान की अवधारणा • ज्ञान और भाषा का अन्तस्संबंध • ज्ञान का वर्गीकरण एवं विकास • ज्ञान की अर्थ-प्रक्रिया	15
II	**हिंदी में ज्ञान साहित्य** • आदिकालीन साहित्य में ज्ञान विमर्श • मध्यकालीन साहित्य में ज्ञान विमर्श • आधुनिक काल में ज्ञान साहित्य • समकालीन ज्ञान साहित्य	15
III	**हिंदी में विज्ञान लेखन** • विज्ञान लेखन की अवधारणा और हिंदी • हिंदी विज्ञान लेखन का स्वरूप • हिंदी विज्ञान लेखन का इतिहास • हिंदी विज्ञान लेखन की चुनौतियाँ	15

IV	**ज्ञान साहित्य के प्रदेयात्मक व्यक्तित्व** • महावीर प्रसाद द्विवेदी • राहुल सांकृत्यायन • राम विलास शर्मा • गुणाकर मुले • देवेन्द्र मेवाड़ी	15
	संदर्भ ग्रंथ : 1. हिंदी साहित्य का इतिहास, सं. डॉ. नगेन्द्र, मयूर बुक्स, दिल्ली 2. प्राचीन भारत के महान वैज्ञानिक, गुणाकर मुले, राजकमल प्र., दिल्ली 3. हिंदी में विज्ञान लेखन : भूत, वर्तमान और भविष्य - शिव गोपाल मिश्र, AISECT प्रकाशन 4. हिंदी में विज्ञान लेखन के सौ वर्ष, शिव गोपाल मिश्र, विज्ञान प्रसार, 2003 5. हिंदी में ज्ञान-साहित्य लेखन - भाग 1 एवं 2 : प्रो. पूरनचंद टंडन - यू ट्यूब चैनल 6. साहित्य और साहित्येतर, वीरेंद्र सिंह, रचना प्रकाशन, जयपुर 7. हिंदी साहित्य ज्ञानकोश, (1 से 7 खंड) प्रधान संपादक - शंभुनाथ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 8. ज्ञान का ज्ञान, हृदय नारायण दीक्षित, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 9. अतिक्रमण की अंतर्यात्रा : ज्ञान की समीक्षा का एक प्रयास - प्रसन्न कुमार चौधरी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 10. हिंदी में विज्ञान लेखन : कुछ समस्याएँ - शिव गोपाल प्रकाशन, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 11. विज्ञान की दुनिया - देवेन्द्र मेवाड़ी, नवारुण प्रकाशन, गाज़ियाबाद	

पाठ्यक्रम	कक्षा : बी. ए. चतुर्थ वर्ष/ एम. ए. प्रथम वर्ष	सेमेस्टर : अष्टम्

विषय : हिंदी

कोर्स कोड :	शीर्षक :
A010804T	**हिंदी का वैश्विक परिदृश्य**

परिलब्धियाँ :

देश के हिंदीतर क्षेत्रों में हिंदी भाषा एवं साहित्य की व्याप्ति का अनुभव हो सकेगा. हिंदी और भारतीय संस्कृति के विश्वव्यापी प्रसार, अबाध संचार एवं सार्वभौमिक अकादमिक लेखन हेतु हिंदी को विश्वभाषा का व्यक्तित्व प्राप्त हो सकेगा. इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों को हिंदी के वैश्विक स्वरूप का संज्ञान होगा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार के अपूर्व अवसर प्राप्त हो सकेंगे. इसके साथ ही अध्येताओं को हिंदी की वैश्विक अस्मिता एवं महत्त्व का परिज्ञान हो सकेगा.

क्रेडिट :	अधिकतम अंक :	उत्तीर्ण हेतु न्यूनतम अंक :
4	25+75	10+30

न्यूनतम व्याख्यानों की संख्या - 60 घंटे

इकाई	अंतर्वस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटे)
I	**भारत के हिंदीतर क्षेत्र : परिचय, कार्यरत संस्थाएँ एवं साहित्यिक योगदान** • भारत के हिंदीतर क्षेत्र : परिचय • हिंदीतर क्षेत्र में हिंदी के विकास हेतु कार्यरत संस्थाएँ : परिचय एवं उपलब्धि • भारत के हिंदीतर क्षेत्र : उल्लेखनीय साहित्य सृजन ➢ दक्षिण भारत ➢ उत्तर भारत ➢ पश्चिमी भारत ➢ पूर्वी भारत	15
II	**वैश्विक परिदृश्य में हिंदी की स्थिति** • हिंदी की अंतरराष्ट्रीय स्थिति : विकास का स्वरूप एवं चुनौतियाँ • विश्व भाषा के प्रतिमान और हिंदी • दक्षिण एशियाई देशों में हिंदी • भारतवंशी बहुल राष्ट्रों में हिंदी • आप्रवासी बहुल देशों में हिंदी	15
III	**विश्व हिंदी के प्रमुख रूप** • मारीशस-क्रियोली हिंदी, फिजियन हिंदी, सरनामी हिंदी, ताज्जिकी हिंदी, नेटाली हिंदी, त्रिनी हिंदी, रोमा हिंदी	15

	• विदेशो मे हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार • संयुक्त राष्ट्र में हिंदी • हिंदी भाषा का विश्व संदर्भ : कार्यरत संस्थाएँ	
IV	**विदेशों में हिंदी भाषा एवं साहित्य** • विश्व के प्रमुख देश : इंग्लैण्ड, अमेरिका, रूस, चीन, जर्मनी, जापान, फ्रांस में हिंदी • विदेशों मे हिंदी रचनाकार और प्रसिद्ध रचनाएँ • विदेशों में हिंदी अध्यापन का परिदृश्य • विश्व हिंदी सम्मेलन : परिकल्पना, उद्देश्य एवं महत्व • इंटरनेट पर हिंदी का वैश्विक स्वरूप	15
	संदर्भ ग्रंथ : 1. हिंदी का वैश्विक परिदृश्य, प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित, नमन प्रकाशन, लखनऊ। 2. विश्व मे हिंदी, डॉ. प्रेमचन्द, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली। 3. हिंदी का विश्व संदर्भ, डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. विश्व बाजार मे हिंदी, गंडिपाल सिंह, देवेन्द्र मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 5. सूचना क्रान्ति और विश्व-भाषा हिन्दी, प्रो. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली। 6. विश्व भाषा हिंदी, आशुतोष शुक्ला, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा। 7. विश्वभाषा हिंदी स्थिति और संभावनाएँ, सं.-अवधेशमोहन गुप्त, सुशीला श्रावन्ती, अभिरुचि प्रकाशन, दिल्ली। 8. प्रवासी हिंदी साहित्य और ब्रिटेन, राकेश बी. दुबे, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली। 9. प्रवासी हिंदी साहित्य दशा एवं दिशा, प्रो. प्रदीप श्रीधर, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली 10. प्रवासी हिंदी साहित्य अवधारणा एवं चिंतन, सं. प्रो. प्रदीप श्रीधर, विद्या प्रकाशन, दिल्ली। 11. हिंदी का प्रवासी साहित्य, कमल किशोर गोयनका, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली। 12. वैश्विक हिंदी अस्मिता एवं यथार्थ, प्रो. जी. गोपीनाथन, म.गां.अं.हिं.वि.वि., वर्धा 13. हिन्दी साहित्य को हिन्दीतर प्रदेशों की देन, सं. डॉ. मलिक मोहम्मद, कालीकट विश्वविद्यालय 14. दक्षिण भारत में हिंदी, रमेश शर्मा, विद्या प्रकाशन, कानपुर 15. हिंदी का भौगोलिक विस्तार, सुनंदा पाल, भाषा प्रकाशन, दिल्ली 16. हिंदी और हम, विद्यानिवास मिश्र, ग्रन्थ अकादमी, दिल्ली 17. हिंदी में हम, अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 18. विश्व पटल पर हिंदी - डॉ. सूर्य प्रसाद दीक्षित, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज	

पाठ्यक्रम	कक्षा : बी. ए. चतुर्थ वर्ष एम. ए. प्रथम वर्ष	सेमेस्टर : अष्टम्

विषय : हिंदी

कोर्स कोड :	शीर्षक :
A010805T	साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

परिलब्धियाँ :

रचना की अद्वितीयता के बावजूद तुलनात्मक अध्ययन ज्ञान और अनुभव के गवाक्ष को खोलने के साथ ही कूपमंडूकता और आत्ममुग्धता से मुक्त करते है. उक्त के साथ विद्यार्थियों को तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन से संवेदना की सार्वभौमिक-सार्वकालिक समतुल्यता की संप्राप्ति हो सकेगी. विद्यार्थियों को अनुवाद के महत्व-बोध और अलग-अलग भाषाओं को सीखने की प्रेरणा प्राप्त होगी. इसके अतिरिक्त साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन से राष्ट्रीय एकता और अंतरराष्ट्रीय सद्भाव को बल मिलेगा.

क्रेडिट	अधिकतम अंक	उत्तीर्ण हेतु न्यूनतम अंक
4	25+75	10+30

न्यूनतम व्याख्यानों की संख्या - 60 घंटे

इकाई	अंतर्वस्तु	व्याख्यानों की संख्या (घंटे)
I	**तुलनात्मक अध्ययन की अवधारणा** • तुलनात्मक अध्ययन का अर्थ एवं स्वरूप • तुलनात्मक अध्ययन का विकास-क्रम • तुलनात्मक अध्ययन की प्रमुख विशेषताएँ • तुलनात्मक अध्ययन के उद्देश्य	15
II	**तुलनात्मक अध्ययन के क्षेत्र** • क्षेत्रीय साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन • राष्ट्रीय साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन • विश्व साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन • तुलनात्मक अध्ययन में अनुवाद की भूमिका	15
III	**तुलनात्मक अध्ययन के विभिन्न आयाम** • तुलनात्मक साहित्य का सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य • तुलनात्मक साहित्य की अध्ययन पद्धतियाँ • तुलनात्मक अध्ययन का विधात्मक आधार • तुलनात्मक अध्ययन और साहित्य-सिद्धांत	15

IV	**तुलनात्मक अध्ययन के राष्ट्रीय एवं वैश्विक परिदृश्य** • तुलनात्मक अध्ययन और राष्ट्रीय एकीकरण • तुलनात्मक अध्ययन के विभिन्न सम्प्रदाय • तुलनात्मक अध्ययन और विश्व बंधुत्व • तुलनात्मक साहित्य और अन्तरानुशासनिक विवेचन	15
	संदर्भ ग्रंथ : 1. तुलनात्मक अध्ययन निकष एवं निरूपण, प्रो. आई. एन. चंद्रशेखर रेड्डी, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली। 2. तुलनात्मक साहित्य भारतीय परिप्रेक्ष्य, इन्द्रनाथ चौधुरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 3. तुलनात्मक अध्ययन भारतीय भाषाएँ और साहित्य, स. - भ.ह. राजूरकर, राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. तुलनात्मक साहित्य सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य, सं. हनुमानप्रसाद शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 5. तुलनात्मक साहित्य- नगेंद्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली। 6. साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ, उदयभानुसिंह, हरभजनसिंह, सं. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव 7. तुलनात्मक अध्ययन स्वरूप और समस्याएँ, डॉ. बी.एच. रजूरकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 8. तुलनात्मक साहित्य अध्ययन की दिशाएँ और संभावनाएँ, डॉ. शेख हसीना, ए.आर. पब्लिशिंग, दिल्ली। 9. भारतीय तुलनात्मक साहित्य, इन्द्रनाथ चौधुरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 10. कहानी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन, डॉ. सी.एम.योहान्नन, 11. तुलनात्मक साहित्य कोश, प्रो. जी. गोपीनाथन, म.गां.अ.हि.वि.वि.,वर्धा। 12. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ, डॉ. रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 13. भारतीय साहित्य की भूमिका, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 14. हिन्दी और भारतीय भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन, डॉ. रानछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।	

पाठ्यक्रम	कक्षा : बी. ए. चतुर्थ वर्ष एम. ए. प्रथम वर्ष	सेमेस्टर : अष्टम्

विषय : हिंदी

कोर्स कोड :	शीर्षक :
A010806P	**डिजिटल हिंदी : पत्रकारिता एवं साहित्य**

परिलब्धियाँ :

डिजिटल युग में हिंदी अधिकाधिक तकनीकी सामर्थ्य अर्जित कर विश्व मानवता के लिए प्रकाश स्तंभ बन सकेगी. यद्यपि डिजिटल युग में संप्रेषण की बाधाएँ कम होती जा रही हैं, तथापि अपनी भाषा में डिजिटल साहित्य और पत्रकारिता की बढ़त भाषा की वैश्विक अस्मिता के लिए अपरिहार्य होगी. इस प्रश्नपत्र के माध्यम से इंटरनेट पर उपलब्ध हिंदी भाषा, साहित्य और पत्रकारिता की बहुविध सृजनात्मकता से परिचित हो सकेंगे तथा इसके जरिए स्वयं को रचनात्मक रूप से समृद्ध बनाते हुए विविध कौशलों एवं उपलब्धियों से संपन्न हो सकेंगे.

क्रेडिट	अधिकतम अंक	उत्तीर्ण हेतु न्यूनतम अंक
4	**50+50**	**40**

निर्देश : डिजिटल हिंदी में उपलब्ध पत्रकारिता और हिंदी साहित्य के समस्त रूपों (वेबसाईट, यूट्यूब चैनल, ब्लॉग-लेखन, सोशल मीडिया, फेसबुक, ट्विटर इत्यादि पर उपलब्ध) से विभाग द्वारा किसी अनुसंधेय विषय या व्यक्तित्व को आवंटित किया जाएगा, जिस पर छात्र-छात्राओं को उपलब्ध विभिन्न आलोचना, अध्ययन एवं अनुसंधान पद्धतियों के संयोजन से न्यूनतम 8000 शब्दों में परियोजना कार्य प्रस्तुत करना होगा.

पाठ्यक्रम	कक्षा : बी. ए. चतुर्थ वर्ष/ एम. ए. प्रथम वर्ष	सेमेस्टर : अष्टम्

विषय : हिंदी

कोर्स कोड :	शीर्षक :
A010807P	**साहित्य की प्रायोगिकी**

परिलब्धियाँ :

साहित्यिक पर्यटन से विद्यार्थियों द्वारा साहित्यकार के जन्म एवं कर्म-स्थान तथा देश के विभिन्न साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्थाओं की उपलब्धियों का ज्ञान प्राप्त किया जा सकेगा. साहित्यिक अनुवाद से साहित्य को भाषा के बंधन से मुक्त कर सार्वभौमिक स्तर पर सत्यं शिवं सुन्दरम् की अनुभूति संभव हो सकेगी. एन.ई.पी. की आकांक्षा के अनुरूप ज्ञान को क्रियात्मक बनाने के लिए अध्ययन के साथ विद्यार्थियों को शोध का अवसर मिलेगा, जिससे देश और समाज की उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा. भाषा, साहित्य और संवेदना के किसी भी बिंदु का सर्वेक्षण साहित्य लेखन में सहायक सिद्ध होगा. कार्यशाला में प्रतिभागिता के माध्यम से प्रभावी कार्य संस्कृति का साक्षात्कार किया जा सकेगा. वाचिक संप्रेषण के द्वारा साहित्य के प्रभावों की पड़ताल संभव होगी और जीवन की आधारभूत और समकालीन समस्याओं को समझा जा सकेगा और विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति क्षमता, सामाजिकता, साहसिकता और प्रभावी संप्रेषण कौशल में विकास होगा. सृजनात्मक लेखन के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मकता का विकास संभव हो सकेगा. साहित्य के संकलन और संपादन से अज्ञात, अल्पख्यात, अलक्षित (लिखित-मौखिक)साहित्य और साहित्यकारों की खोज और वर्गीकृत शोध तथा विषय का एकाग्र अध्ययन संपन्न हो सकेगा. नाट्य मंचन द्वारा सामाजिकता की प्राप्ति और साहित्य-सन्देश का प्रसारण संभव हो सकेगा. समाचार की समझ और उसके प्रस्तुतीकरण द्वारा जनता को समस्याओं से निदान और विद्यार्थियों की आर्थिक सक्षमता का विकास होगा. विद्यार्थियों द्वारा आकाशवाणी और दूरदर्शन जैसे माध्यमों से देश और समाज की सेवा तथा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व-विकास का अवसर प्राप्त होगा. विद्यार्थियों में कौशल विकास तथा रोजगार की प्राप्ति हेतु विभाग द्वारा सुचिंतित एवं निर्धारित विषय पर प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें सक्षम नागरिक बनाया जा सकेगा.

क्रेडिट	अधिकतम अंक	उत्तीर्ण हेतु न्यूनतम अंक
4	50+50	40

प्रायोगिकी-निर्देश : प्रस्तुत परियोजना कार्य का मूल्यांकन साक्षात्कार के पूर्व आंतरिक परीक्षक द्वारा एवं साक्षात्कार के समय बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा.

- **साहित्यिक पर्यटन :** देश की विभिन्न साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्थाओं और साहित्यकारों के जन्म-स्थान एवं कर्म-स्थान इत्यादि में से किसी एक या एकाधिक का विभाग द्वारा चयन किया जाएगा, यात्रा संपन्न होने के बाद विद्यार्थी न्यूनतम 3000 शब्दों में मूल्यांकन हेतु अपनी रिपोर्ट विभाग में प्रस्तुत करेगा.
- **साहित्यिक अनुवाद :** इसके अंतर्गत विभाग द्वारा विद्यार्थी-विशेष की अभिरुचि एवं क्षमता के दृष्टिगत भारतीय एवं विश्व साहित्य की किसी भी विधा से भाषांतरण का कार्य आवंटित किया जा सकेगा. जिसे न्यूनतम 8000 शब्दों में विभाग में मूल्यांकन हेतु जमा किया जाएगा.
- **शोध पत्र :** विभाग द्वारा नियुक्त निर्देशक के निर्देशन में विद्यार्थी द्वारा शोध पत्र का लेखन कर प्रकाशन कराया जाएगा, जिसमें निर्देशक का नाम द्वितीय लेखक के रूप में रहेगा, जिसे न्यूनतम 4000 शब्दों में मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत किया जाएगा.
- **संगोष्ठी प्रतिभागिता :** विद्यार्थी राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागिता के लिए विभाग द्वारा नियुक्त निर्देशक के निर्देशन में न्यूनतम 4000 शब्दों में शोध पत्र तैयार कर संगोष्ठी में प्रस्तुत करेगा तथा उक्त प्रमाणपत्र, छायाचित्र और शोध पत्र विभाग में मूल्यांकन हेतु जमा करेगा.
- **भाषा-साहित्य सर्वेक्षण :** विद्यार्थी विभाग द्वारा निर्धारित शिक्षक के निर्देशन में भाषा एवं साहित्य से जुड़े हुए किसी भी मुद्दे पर सर्वेक्षण करेगा, जिसकी इकाई किसी शिक्षण संस्थान, गाँव या मोहल्ले को निर्धारित किया जा सकता है, इस क्रम में सहृदय अभिरुचि, पुस्तक संस्कृति, लेखन की चुनौतियाँ, लेखकीय जीवन तथा साहित्य को प्रभावित करने वाले कारकों आदि का स्वतः संज्ञान लेकर प्रश्नावली/साक्षात्कार आदि के माध्यम से सर्वे-रिपोर्ट मूल्यांकन हेतु न्यूनतम 8000 शब्दों में प्रस्तुत किया जाएगा.
- **कार्यशाला प्रतिभागिता :** विद्यार्थी न्यूनतम त्रिदिवसीय कार्यशाला में प्रतिभागिता के लिए विभागीय अनुमति प्राप्त करेगा, तदुपरांत न्यूनतम 4000 शब्दों में रिपोर्ट तैयार कर प्रतिभागिता प्रमाण पत्र और छायाचित्र के साथ मूल्यांकन हेतु विभाग में प्रस्तुत करेगा.
- **वाचिक संप्रेषण :** विद्यार्थी विभाग द्वारा चयनित विभिन्न विधाओं के साहित्य (कविता-गीत, कहानी, उपन्यास-अंश, महाकाव्य-खंडकाव्य- अंश इत्यादि) का गाँव-मोहल्ले के किसी स्थान व समय का चयन कर प्रभावी ढंग से वाचन करेगा, जिसमें न्यूनतम 03 घंटे

की वीडियोग्राफी और न्यूनतम 3000 शब्दों में मूल्यांकन हेतु रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी, जिसे एक-एक घंटे की तीन प्रस्तुतियों में भी दिया जा सकेगा.

- **सृजनात्मक लेखन :** विभागीय अनुमति से विद्यार्थी द्वारा साहित्य की किसी भी विधा में स्वतंत्र रूप से विषय निर्धारित कर अप्रकाशित मौलिक सृजन को न्यूनतम 8000 शब्दों में विभाग में मूल्यांकन हेतु जमा करना होगा.
- **साहित्य-संकलन संपादन :** विभागीय अनुमति से निर्देशक के निर्देशन में विद्यार्थी अज्ञात, अल्पख्यात, अलक्षित, लिखित या मौखिक साहित्य का संकलन और संपादन कर विभाग में मूल्यांकन हेतु (न्यूनतम 8000 शब्द) जमा करेगा.

  अथवा

  विभागीय अनुमति से निर्देशक के निर्देशन में विद्यार्थी प्रकाशित हिंदी साहित्य से निर्धारित विषय-बिंदु पर सामग्री-संकलन और वर्गीकरण कर संपादन करेगा, जिसकी न्यूनतम शब्द सीमा 8000 होगी. जिसे मूल्यांकन हेतु विभाग में जमा किया जाएगा.
- **न्यूज रिपोर्टिंग / प्रस्तुति :** विद्यार्थी को विभागीय अनुमति से निर्धारित विषय पर टंकित समाचार लेखन की तीन प्रस्तुतियाँ (न्यूनतम 2000 शब्द प्रति प्रस्तुति) या इलेक्ट्रॉनिक रूप में 40 मिनट के तीन वीडियो को सॉफ्ट रूप में पेन ड्राइव में या यूट्यूब चैनल में अपलोड कर लिंक और तीनों प्रस्तुतियों का स्क्रिप्ट विभाग में मूल्यांकन हेतु जमा करना होगा.
- **आकाशवाणी प्रस्तुति :** विद्यार्थी द्वारा आकाशवाणी के किसी भी कार्यक्रम में प्रतिभाग कर उसकी रिकॉर्डिंग रिपोर्टिंग के साथ (न्यूनतम 3000 शब्दों में) विभाग में मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत किया जाएगा.
- **टेलीविज़न प्रस्तुति :** विद्यार्थी द्वारा टेलीविजन के किसी भी कार्यक्रम में प्रतिभाग कर उस की सॉफ्ट कॉपी और उसकी रिपोर्टिंग को न्यूनतम 3000 शब्दों में विभाग में मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत किया जाएगा.
- **विभागीय प्रशिक्षण :** विभाग द्वारा आयोजित रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की कार्यशाला में विद्यार्थी प्रतिभाग कर सकेगा. यह कार्यशाला ब्लॉग लेखन, मोबाइल पत्रकारिता, भाषण कला, वाचन कला, संपादन कला, ई-पत्रिका संपादन, वीडियो एडिटिंग आदि पर आधारित होगी. यह कार्यशाला सप्तदिवसीय और कुल पैंतीस (7×5=35) घंटे की होगी. प्रतिभागी विद्यार्थी कार्यशाला के प्रत्येक दिवस का सत्रानुसार रपट (न्यूनतम 3000 शब्दों में) विभाग में मूल्यांकन हेतु जमा करेगा.

(प्रो० शैलेन्द्र नाथ मिश्र)
संयोजक
हिंदी अध्ययन बोर्ड